# मेट्रो-3 को मेट्रो स्टेशन के नाम से करोड़ों की कमाई

## 5 स्टेशनों से 5 साल में 216 करोड़ की कमाई, मार्ग पर कुल 26 स्टेशन

**वसं, मुंबई :** मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल ) ने मेट्रो-3 कॉरिडोर के पांच स्टेशनों के नाम के लिए स्पॉन्सर खोज लिए हैं। मेट्रो स्टेशनों के नाम के साथ निजी कंपनियों का नाम जोड़ एमएमआरसीएल ने हर साल करोड़ों रुपये की कमाई का नया रास्ता तलाशा है। केवल पांच स्टेशनों के नाम से ही कॉर्पोरेशन को हर साल करीब 40 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। मेट्रो का संचालन आरंभ होने के बाद हर साल इस रकम में 5 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। मेट्रो के इन पांच स्टेशनों से ही कॉर्पोरेशन को आगामी पांच सालों में करीब 216 करोड़ रुपये की कमाई होगी।

एमएमआरसीएल के अनुसार, कोटक महिंद्रा बैंक, एलआईसी, आईसीआईसीआई समेत अन्य कंपनियों ने मेट्रो से साथ अपना नाम जोड़ने में रुचि दिखाई है। कोटक महिंद्रा बैंक के साथ बीकेसी और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मेट्रो स्टेशन का नाम, आईसीआईसी लोम्बार्ड के साथ सिद्धिविनायक मेट्रो स्टेशन और चर्चगेट व हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन के साथ एलआईसी कंपनी का नाम जोड़ा जाएगा।

**कमाई में होगी अव्वल रू** कॉर्पोरेशन

के देश की सबसे लंबी भूमिगत मेट्रो को नॉन फेयर रेवेन्यू के माध्यम से विश्व की सबसे अधिक कमाई करने वाली मेट्रो बनाने की योजना बनाई है। मेट्रो -3 कॉरिडोर के मार्ग पर कुल 26 स्टेशन हैं। मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले ही एमएमआरसीएल को मेट्रो के पांच स्टेशनों के लिए 40 करोड़ रुपये खर्च करने वाली कंपनी मिल गई है। अगर कॉर्पोरेशन को आठ करोड़ रुपये के हिसाब से सभी 26 स्टेशनों के लिए स्पॉन्सर मिल जाएं, तो मेट्रो के नेमिंग राइट से ही मेट्रो प्रशासन को सालाना 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होगी।

एमएमआरसी की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार, नॉन फेयर रेवन्यू के माध्यम से कमाई के नए-नए मार्ग तलाशे जा रहे हैं। यात्री किराये के अलावा अन्य मार्ग से कमाई होने से यात्री को किफायती दरों में सेवा उपलब्ध करवाना संभव होता है। नॉन फेयर रेवन्यू के जरिये मेट्रो के हर स्टेशन के माध्यम से करीब 8 करोड़ रुपये (1.1 मिलियन डॉलर) की कमाई होगी। मेट्रो-3 कॉरिडोर के स्टेशन विश्व के सबसे अधिक कमाई करने वाले स्टेशन होंगे। दुबई, जकार्ता समेत विश्व के अन्य रेलवे स्टेशनों की हर साल करीब 1 मिलियन डॉलर की कमाई करते थे।

### कमाई बढ़ाने के और भी हैं रास्ते

**मेट्रो स्टेशनों के नेमिंग राइट के साथ ही एमएमआरसीएल के पास कमाई के अन्य रास्ते भी हैं। मेट्रो स्टेशनों पर यात्री सुविधा के साथ ही कुछ स्टेशनों पर अतिरिक्त जगह भी है। इन अतिरिक्त जगह को भी किराये पर देने की योजना पर काम किया जा रहा है। अतिरिक्त स्टेशन परिसर को भी निजी कंपनियों को किराये पर देकर भी एमएमआरसीएल को करोड़ों रुपये की कमाई होगी। मेट्रो 3 कॉरिडोर के कफ परेड स्टेशन पर करीब 7800 वर्ग मीटर और सिद्धिविनायक स्टेशन पर करीब 2979 वर्ग मीटर क्षेत्र किराये पर दिया जाएगा। मुंबई के प्राइम लोकेशन पर स्थित इन दो स्टेशनों से हर महीने करीब 4 से 5 करोड़ रुपये की आमदनी का अनुमान लगाया गया है।**